टीबी मुक्त भारत अभियान

नेपा लिमिटेड चिकित्सालय में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत लगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर...

● न्यूज़20 संवाददाता : नेपानगर टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत नेपा लिमिटेड चिकित्सालय में कैंप लगाकर टीबी से बचाव के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सौ दिवसीय टीबी खोजी अभियान के अंतर्गत शनिवार को नेपा लिमिटेड चिकित्सालय के उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अनिल कुमार झंझडीवाल के मार्गदर्शन में एक हेल्थ चैकअप कैंप लगाया गया। जिसमें मिल कर्मचारियों और नागरिकों की पीएफटी स्क्रीनिंग की गई। कैंप में डॉक्टर झंझडीवाल ने बताया कि यदि किसी को खांसी और बलगम आता है तो वह इधर-उधर न थूके। खांसते समय मुंह पर रुमाल या तौलिया का इस्तेमाल करें। यदि बलगम आए तो ब्लीचिंग पाउडर या राख में बलगम को थूकें और उसे मिट्टी में गड्ढा खोदकर दबाएं। इसके साथ-साथ यदि किसी व्यक्ति को 10 लक्षणों में से कोई भी एक लक्षण दिखाई दे तो अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाकर जांच अवश्य कराएं। अगर कोई व्यक्ति की उम्र 60 वर्ष से अधिक है मधुमेह से पीड़ित है या अन्य किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित है, वह भी अपने टीबी की जांच अवश्य करा लें। जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया क्षय रोग (टीबी) के खिलाफ देश की लड़ाई में तेज़ी लाने और वर्ष 2025 तक रोग को खत्म करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 9 सितंबर 2022 को "प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान" लॉन्च किया था। भारत सरकार के इस जनहित अभियान में नेपा लिमिटेड अपनी चिकित्सा टीम के माध्यम से सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर रहा हैं। इसी तारतम्य में दिनांक 7 दिसंबर 2024 से 17 मार्च 2025 तक चलने वाले सौ दिवसीय अभियान के लक्ष्य प्राप्ति हेतु नेपा लिमिटेड की चिकित्सा टीम प्रतिबद्ध हैं। इस शिविर में सिप्ला के क्षेत्रीय प्रबंधक नवनीत कुशवाहा और एरिया मैनेजर जावेद सैफी द्वारा मरीजों का फुफ्फुसीय कार्य परीक्षण (स्पाइरोमेट्री टेस्ट) किया गया। अवसर पर डॉक्टर अनिल कुमार झंझडीवाल ने सभी को टीबी मुक्त भारत की शपथ दिलाई और अभियान की सफलता हेतु अधिक से अधिक निश्चय मित्र बनने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान डॉक्टर राजश्री मोरे, एक्सरे तकनीशियन मोहिंदर यादव, प्रयोगशाला तकनीशियन रिजवान शाह, सिस्टर रेमो फ्रांसिस, संध्या सिंह, हैरिसन भंडारे, प्रमोद पाटिल, वेदांत वाघमारे, जगदीश चौहान, विनोद पाटिल, गोविंद पाटिल, आकाश चौहान, पुरुषोत्तम गौहर आदि उपस्थित थे।

नेपा लिमिटेड चिकित्सालय में कैंप लगाकर टीबी से बचाव के प्रति किया जागरूक

मोहम्मद हुसैन खोकर

बुरहानपुर:- टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत नेपानगर के नेपा लिमिटेड चिकित्सालय में कैंप लगाकर टीबी से बचाव के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सौ दिवसीय टीबी खोजी अभियान के अंतर्गत शनिवार को नेपा लिमिटेड चिकित्सालय के उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अनिल कुमार झंझडीवाल के मार्गदर्शन में एक हेल्थ चैकअप कैंप लगाया गया। जिसमें मिल कर्मचारियों और नागरिकों की पीएफटी स्क्रीनिंग की गई। कैंप में डॉक्टर झंझडीवाल ने बताया कि यदि किसी को खांसी और बलगम आता है तो वह इधर-उधर न थूके। खांसते समय मुंह पर रुमाल या तौलिया का इस्तेमाल करें। यदि बलगम आए तो ब्लीचिंग पाउडर या राख में बलगम को थूकें और उसे मिट्टी में गड्ढा खोदकर दबाएं। इसके साथ-साथ यदि किसी व्यक्ति को 10 लक्षणों में से कोई भी एक लक्षण दिखाई दे तो अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाकर जांच अवश्य कराएं। अगर कोई व्यक्ति

की उम्र 60 वर्ष से अधिक है मधुमेह से पीड़ित है या अन्य किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित है, वह भी अपने टीबी की जांच अवश्य करा लें। जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया क्षय रोग (टीबी) के खिलाफ देश की लड़ाई में तेज़ी लाने और वर्ष 2025 तक रोग को खत्म करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 9 सितंबर 2022 को "प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान" लॉन्च किया था। भारत सरकार के इस जनहित अभियान में नेपा लिमिटेड अपनी चिकित्सा टीम के माध्यम से सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर रहा हैं।इसी तारतम्य में दिनांक 7 दिसंबर 2024 से 17 मार्च 2025 तक चलने वाले सौ दिवसीय अभियान के लक्ष्य प्राप्ति हेतु नेपा लिमिटेड की चिकित्सा टीम प्रतिबद्ध हैं। इस शिविर में सिप्ला के क्षेत्रीय प्रबंधक नवनीत कुशवाहा और एरिया मैनेजर जावेद सैफी द्वारा मरीजों का फुफ्फुसीय कार्य परीक्षण (स्पाइरोमेट्री टेस्ट) किया गया। अवसर पर डॉक्टर अनिल कुमार झंझडीवाल ने सभी को टीबी मुक्त भारत की शपथ दिलाई और अभियान की सफलता हेतु अधिक से अधिक निश्चय मित्र बनने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान डॉक्टर राजश्री मोरे, एक्सरे तकनीशियन मोहिंदर यादव, प्रयोगशाला तकनीशियन रिजवान शाह, सिस्टर रेमो फ्रांसिस, संध्या सिंह, हैरिसन भंडारे, प्रमोद पाटिल,वेदांत वाघमारे, जगदीश चौहान, विनोद पाटिल, गोविंद पाटिल, आकाश चौहान, पुरुषोत्तम गौहर आदि उपस्थित थे।

स्वदेश
खंडवा - मुख्य संस्करण
Date 16 Feb 2025

टीबी मुक्त भारत अभियान

नेपा लिमिटेड चिकित्सालय में लगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

स्वदेश समाचार ■ नेपानगर

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत नेपा लिमिटेड चिकित्सालय में कैंप लगाकर टीबी से बचाव के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सौ दिवसीय टीबी खोजी अभियान के तहत शनिवार को नेपा लिमिटेड चिकित्सालय के उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार झंझडीवाल के मार्गदर्शन में एक हेल्थ चैकअप कैंप लगाया गया। जिसमें मिल कर्मचारियों और नागरिकों की पीएफटी स्क्रीनिंग की गई। कैंप में डॉ. झंझडीवाल ने बताया कि यदि किसी को खांसी और बलगम आता है तो वह इधर-उधर न थूकें। खांसते समय मुंह पर रुमाल या तौलिया का इस्तेमाल करें।

जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया क्षय रोग टीबी के खिलाफ देश की लड़ाई में तेज़ी लाने और वर्ष 2025 तक रोग को खत्म करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 9 सितंबर 2022 को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान लॉन्च किया था। भारत सरकार के इस जनहित अभियान में नेपा लिमिटेड अपनी चिकित्सा टीम के माध्यम से सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर रहा हैं। इस शिविर में सिप्ला के क्षेत्रीय प्रबंधक नवनीत कुशवाहा और एरिया मैनेजर जावेद सैफी द्वारा मरीजों का फुफ्फुसीय कार्य परीक्षण स्पाइरोमेट्री टेस्ट किया गया।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉ. अनिल कुमार झंझडीवाल ने सभी को टीबी मुक्त भारत की शपथ दिलाई और अभियान की सफलता के लिए अधिक से अधिक निश्चय मित्र बनने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान डॉ. राजश्री मोरे, एक्सरे तकनीशियन मोहिंदर यादव, प्रयोगशाला तकनीशियन रिजवान शाह, सिस्टर रेमो फ्रांसिस, संध्या सिंह, हैरिसन भंडारे, प्रमोद पाटिल, वेदांत वाघमारे, जगदीश चौहान, विनोद पाटिल, गोविंद पाटिल, आकाश चौहान, पुरुषोत्तम गौहर आदि उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

बुरहानपुर 16-02-2025

सेहत • स्पाइरोमेट्री टेस्ट किए, टीबी मुक्त भारत बनाने की दिलाई शपथ

टीबी मुक्त भारत अभियान : नेपा मिल अस्पताल में कर्मचारियों और नागरिकों की स्क्रीनिंग की गई

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

नेपा लिमिटेड अस्पताल ने टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शनिवार को आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविर में मिल के कर्मचारियों और नागरिकों की पीएफटी स्क्रीनिंग की गई। अस्पताल के उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार झंझड़ीवाल के नेतृत्व में इस शिविर में टीबी से बचाव के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही कर्मचारियों की जांच कर इलाज की जानकारी दी गई।

मरीजों की स्क्रीनिंग की गई।

डॉ. झंझड़ीवाल ने टीबी से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में बताया। उन्होंने बताया खांसी और बलगम के दौरान मुंह पर रुमाल का प्रयोग करें और बलगम को ब्लीचिंग पाउडर या राख में थूकें। साथ ही टीबी के 10 प्रमुख लक्षणों में से किसी एक के दिखने पर तुरंत जांच कराने की सलाह दी। विशेष रूप से 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों और मधुमेह के रोगियों को नियमित जांच की सलाह दी गई। जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने के लक्ष्य का हिस्सा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा 9 सितंबर 2022 को शुरू किए गए इस अभियान में नेपा लिमिटेड सक्रिय भूमिका निभा रहा है। शिविर में सिप्ला के क्षेत्रीय प्रबंधक नवनीत कुशवाह और एरिया मैनेजर जावेद सैफी ने मरीजों का स्पाइरोमेट्री टेस्ट किया। 7 दिसंबर 2024 से 17 मार्च 2025 तक चलने वाले इस 100 दिनी अभियान में डॉ राजश्री मोरे सहित चिकित्सा टीम के अन्य सदस्य एक्सरे टेक्नीशियन मोहिंदर यादव, प्रयोगशाला टेक्नीशियन रिजवान शाह, सिस्टर रेमो फ्रांसिस, संध्या सिंह, हैरिसन भंडारे, प्रमोद पाटिल, वेदांत वाघमारे, जगदीश चौहान, विनोद पाटिल, गोविंद पाटिल, आकाश चौहान, पुरुषोत्तम गौहर ने सहयोग दिया। डॉ. झंझड़ीवाल ने सभी को टीबी मुक्त भारत की शपथ दिलाई और अधिक से अधिक निश्चय मित्र बनने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान स्टाफ और कर्मचारी मौजूद थे।

पत्रिका

टीबी मुक्त भारत अभियान: नेपा के अस्पताल में लगा स्वास्थ्य शिविर

नेपानगर. टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत नेपा लिमिटेड अस्पताल में कैंप लगाकर टीबी से बचाव के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सौ दिवसीय टीबी खोजी अभियान के तहत शनिवार को नेपा लिमिटेड चिकित्सालय के उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अनिल कुमार झंझडीवाल के मार्गदर्शन में एक हेल्थ चैकअप कैंप लगा।

मिल कर्मचारियों और नागरिकों की पीएफटी स्क्रीनिंग की गई। डॉक्टर झंझडीवाल ने बताया कि यदि किसी को खांसी और बलगम आता है तो वह इधर, उधर न थूकें। खांसते समय मुंह पर रुमाल या तौलिया का इस्तेमाल करें। यदि बलगम आए तो ब्लीचिंग पाउडर या राख में बलगम को थूकें और उसे मिट्टी में गड्ढा खोदकर दबाएं। इसके साथ यदि किसी व्यक्ति को 10 लक्षणों में से कोई भी एक लक्षण दिखाई दे तो अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाकर जांच अवश्य कराएं। अगर कोई व्यक्ति की उम्र 60 वर्ष से अधिक है मधुमेह से पीड़ित है या अन्य किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित है, वह भी अपने टीबी की जांच अवश्य करा लें। जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया शिविर में सिप्ला के क्षेत्रीय प्रबंधक नवनीत कुशवाहा और एरिया मैनेजर जावेद सैफी द्वारा मरीजों का परीक्षण किया। इस अवसर पर डॉ. अनिल कुमार झंझडीवाल ने सभी को टीबी मुक्त भारत की शपथ दिलाई।